

IEA की इलेक्ट्रिसिटी 2024 रिपोर्ट

प्रलिस के लयः

[अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी](#), [कोयला](#), [समॉल मॉड्यूलर ररिक्टर](#), [आर्थिक सहयोग और वकिस संगठन](#), [नवीकरणीय ऊर्जा](#)

मेन्स के लयः

नवीकरणीय ऊर्जा, खनजि और ऊर्जा संसाधनों के साथ वकिस को संतुलति करने में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लयि कोयले की मांग, चुनौतयिँ और अवसर

[स्रोतः डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्योँ?

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (International Energy Agency- IEA) ने अपनी रिपोर्ट "इलेक्ट्रिसिटी 2024" के साथ भारत के ऊर्जा भवष्य में प्रमुख अंतरदृष्टि का खुलासा कयि।

- यह व्यापक वशिलेषण वर्ष 2026 तक भारत के वदियुत क्षेत्र को आकार देने वाले रुझानों पर प्रकाश डालता है, जैसे- [कोयले](#) की नर्रितर भूमकि, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उदभव और परमाणु ऊर्जा की आशाजनक वृद्धि।

वदियुत पर रिपोर्ट, 2024 की मुख्य वशेषताएँ क्योँ हैं?

- कोयले पर नर्रिभरता जारी:**
 - अनुमान है क [भारत](#) वर्ष 2026 तक बढ़ती वदियुत की मांग को पूरा करने के लयि [कोयले पर नर्रिभर](#) रहेगा।
 - वर्ष 2023 में 74% की कमी के बावजूद वर्ष 2026 तक कोयले द्वारा उत्पादति वदियुत से भारत की 68% वदियुत की मांग पूरी होने की उम्मीद है।
 - कोयला चालति वदियुत उत्पादन में वार्षकि (वर्ष 2024-2026) 2.5% की वृद्धि होने की उम्मीद है।
 - वर्ष 2070 तक भारत के शुद्ध-शून्य लक्ष्य के बावजूद, कोयले का प्रभुत्व होने की उम्मीद है, जो 68% मांग को पूरा करेगा।
- नवीकरणीय स्रोतों से वदियुत उत्पादन:**
 - वर्ष 2023 में वदियुत उत्पादन में 21% हसिसेदारी के साथ नवीकरणीय ऊर्जा (RE) उत्पादन अपेक्षाकृत स्थरि रहा। सौर और पवन में वृद्धिकी भरपाई काफी हद तक जल वदियुत उत्पादन में कमी से हुई है।
 - वर्ष 2023 के दौरान लगभग 21 गीगावाट (GW) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता शामिल की गई, जसिमें RE 2023 में कुल संस्थापति क्षमता का लगभग 44% था।
- वदियुत मांग की गतशीलता:**
 - तेज़ी से आर्थकि वकिस और अंतरकिष शीतलन आवश्यकताओं में वृद्धिके कारण वर्ष 2023 में भारत की वदियुत मांग 7% बढ़ गई।
 - वर्ष 2024 और 2026 के बीच 6.5% की वार्षकि औसत वृद्धिकी उम्मीद है।
 - अनुमान है क वर्ष 2026 तक वशिव की सबसे तेज़ वकिस दर के साथ भारत की वदियुत मांग चीन से आगे नकिल जाएगी।
- वैश्वकि तुलना और उभरती अर्थव्यवस्थाएँ:**
 - चीन के पास अपेक्षति वृद्धिकी मात्रा सबसे अधिक है, तीन वर्षों में भारत की वदियुत मांग यूनाइटेड कगिडम के लगभग बराबर हो सकती है।
 - वकिसति अर्थव्यवस्थाओं ने वनिरिमाण और औद्योगकि उत्पादन में पर्याप्त कमी तथा उच्च मुद्रास्फीतिकी सूचना दी।
 - नई वदियुत क्षमता का लगभग 85% उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अपेक्षति है, वशेष रूप से दक्षणि एशयिा में जसिमें चीन और भारत अग्रणी हैं।
- जलवदियुत चुनौतयिँ और आदेश:**
 - मौसम के बदलते तरीके के कारण वर्ष 2023 में जलवदियुत उत्पादन में 15% की गरिवट आई।
 - नर्रिबाध वदियुत आपूर्ति सुनर्रिचति करने के लयि सरकार ने मार्च 2024 तक घरेलू कोयले के साथआयातति कोयले के न्यूनतम 6% के मश्रिण को अनविर्य कर दयि।
- वविधीकरण प्रयास:**

- **पवन और सौर ऊर्जा** क्षमता बढ़ाने के अलावा देश में **बड़ी जल** और **परमाणु ऊर्जा** परियोजनाएँ विकसित की जा रही हैं।
- **परमाणु ऊर्जा वृद्धि:**
 - वैश्विक स्तर पर (वर्ष 2024-2026 के बीच) आधे से अधिक निर्माणाधीन परमाणु ऊर्जा संयंत्र **चीन तथा भारत** में हैं।
 - IEA का अनुमान है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2026 में वैश्विक परमाणु ऊर्जा उत्पादन में लगभग **10% की वृद्धि** होगी।
 - भारत ने वर्ष 2022 में अपनी **परमाणु क्षमता** को वर्ष 2032 तक **तीन गुना करने की योजना** की घोषणा की, जिसका लक्ष्य मौजूदा क्षमता (6 गीगावॉट) में अतिरिक्त 13 गीगावॉट की क्षमता वृद्धि करना है।
 - भारत में वर्तमान में **23 परचालन योग्य परमाणु रिएक्टर** मौजूद हैं जो देश के कुल वदियुत उत्पादन में 2% का योगदान करते हैं।
 - रपिर्ट के अनुसार **सबसे बड़े घरेलू निर्मित परमाणु ऊर्जा संयंत्र, 700 मेगावाट काकरापार यूनिट 3 रिएक्टर**, का परचालन जून 2023 में गुजरात में शुरू हुआ तथा अगस्त 2023 में इसने महत्त्वपूर्ण सफलता हासिल की।
 - देश की परियोजना समय-सीमा के आधार पर वर्ष 2024-2026 के दौरान **परमाणु ऊर्जा उत्पादन में तेज़ी से वृद्धि** होने के अनुमान हैं जिसमें कुल अनुमानित **4 गीगावॉट क्षमता वाले नए संयंत्रों का वाणिज्यिक उद्देश्यों हेतु उपयोग** शामिल होगा।
- **वैश्विक परमाणु परिदृश्य:**
 - विश्व परमाणु संघ के अनुमान के अनुसार नवंबर 2023 तक **68 गीगावॉट परमाणु क्षमता निर्माणाधीन** है, 9 गीगावॉट वर्तमान में नयोजित है तथा 353 गीगावॉट प्रस्तावित है।
 - वर्ष 2026 तक **एशिया की परमाणु ऊर्जा क्षमता उत्तरी अमेरिका की परमाणु ऊर्जा क्षमता से अधिक होने के पूर्वानुमान** हैं तथा कुल वैश्विक परमाणु उत्पादन में इसकी हस्तिसेदारी 30% तक पहुँच सकती है।
- **स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) प्रौद्योगिकी:**
 - रपिर्ट में **स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) प्रौद्योगिकी** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है।
 - SMR उन्नत परमाणु रिएक्टर होते हैं जिनकी **वदियुत क्षमता 300 मेगावाट (e) प्रति यूनिट** तक होती है जो पारंपरिक परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की उत्पादन क्षमता का लगभग एक-तहाई है।
 - SMR **बड़ी मात्रा में न्यून कार्बन वाली वदियुत** का उत्पादन कर सकते हैं, जो इस प्रकार है:
 - **स्मॉल:** भौतिक रूप से यह पारंपरिक परमाणु ऊर्जा रिएक्टर की तुलना में बहुत छोटे होते हैं।
 - **मॉड्यूलर:** सिस्टम और घटकों को फैक्ट्री में असेंबल करना तथा स्थापना के लिये एक इकाई के रूप में किसी स्थान पर ले जाना संभव बनाना।
 - **रिएक्टर:** ऊर्जा उत्पन्न करने हेतु ऊष्मा पैदा करने के लिये परमाणु विखंडन का उपयोग करना।
 - SMR प्रौद्योगिकी के विकास तथा परिनियोजन में चुनौतियों के बावजूद इसमें प्रगति हुई है। इसके अनुसंधान एवं विकास में प्रगति हुई है।

भारत के ऊर्जा क्षेत्र का अवलोकन:

- मई 2023 तक संस्थापित वदियुत उत्पादन क्षमता (ईंधनवार):
- कुल संस्थापित क्षमता (जीवाश्म ईंधन और गैर-जीवाश्म ईंधन) 417 गीगावॉट है।
- कुल वदियुत उत्पादन में वभिन्न ऊर्जा स्रोतों की हस्तिसेदारी इस प्रकार है:
 - **जीवाश्म ईंधन** (कोयला सहित)- 56.8%
 - **नवीकरणीय ऊर्जा** (जलवदियुत सहित)- 41.4%
 - **परमाणु ईंधन**- 1.60%

भारत का नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:

- भारत **पंचामृत कार्य योजना** के अंतर्गत अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये तैयार है, जैसे-
 - वर्ष 2030 तक **500 गीगावॉट की गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता को प्राप्त करना;**
 - वर्ष 2030 तक **नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का कम-से-कम आधा हस्तिसेदा प्राप्त करना;**
 - वर्ष 2030 तक **कार्बन उत्सर्जन को एक बिलियन टन तक कम करना; वर्ष 2030 तक कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करना;**
 - वर्ष 2070 तक **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करना।**
- अगस्त 2022 में भारत ने अपने **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (Nationally Determined Contribution- NDC)** को अद्यतन किया जिसके अनुसार अपने **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** की उत्सर्जन तीव्रता को कम करने का लक्ष्य वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक 45 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) क्या है?

- **परिचय:**
 - **अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (International Energy Agency- IEA)**, जिसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है, को 1970 के दशक के मध्य में हुए तेल संकट का सामना करने हेतु आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के सदस्य देशों द्वारा **वर्ष 1974** में एक

स्वायत्त एजेंसी के रूप में स्थापति किया गया था।

• तब से इसका काम ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और स्वच्छ ऊर्जा को कवर करने के लिये विस्तारित हो गया है।

- IEA का केंद्र मुख्य रूप से ऊर्जा संबंधी नीतियाँ हैं, जसमें **आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा** तथा **पर्यावरण संरक्षण** शामिल हैं।
- IEA अंतरराष्ट्रीय तेल बाज़ार से संबंधित जानकारी प्रदान करने तथा तेल की आपूर्ति में किसी भी भौतिक व्यवधान के वरिद्ध कार्रवाई करने में भी प्रमुख भूमिका निभाता है।

■ **सदस्य:**

- IEA संगठन 31 सदस्य देशों (**भारत** सहित) **13 सहयोगी देशों** और **4 परगिरहण** देशों से बना है।
- **IEA** के लिये एक उम्मीदवार **देश को OECD का सदस्य देश** होना चाहिये।

■ **प्रमुख रिपोर्ट:**

- [वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक रिपोर्ट](#)।
- [वर्ल्ड एनर्जी इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट](#)।
- [इंडिया एनर्जी आउटलुक रिपोर्ट](#)।
- [वर्ल्ड एनर्जी स्टैटिक्स](#)।
- [वर्ल्ड एनर्जी बैलेंसज़](#)।
- [एनर्जी टेक्नोलॉजी परसपेक्टिक्स](#)।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. भारत सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी के कार्यकाल में किया गया था।
2. वर्तमान में कोयला खंडों का आवंटन लॉटरी के आधार पर किया जाता है।
3. भारत हाल के समय तक घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिये कोयले का आयात करता था, कति अब भारत कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारतीय कोयले का/के अभलिक्षण है/हैं? (2013)

1. उच्च भस्म अंश
2. निम्न सलफर अंश
3. निम्न भस्म संगलन तापमान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2022)

1. "जलवायु समूह (क्लिमाइमेट ग्रुप)" एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जो बड़े नेटवर्क बना कर जलवायु क्रिया को प्रेरित करता है और उन्हें संचालित करता है।
2. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने जलवायु समूह की भागीदारी में एक वैश्विक पहल "EP100" प्रारंभ की।
3. EP100, ऊर्जा दक्षता में नवप्रवर्तन को प्रेरित करने एवं उत्सर्जन न्यूनीकरण लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रतस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के

